अमर उजाला

राज्य की नदियों में खनन की तैयारियों में जुटा निगम

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। वन निगम ने खनिज निकासी के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। जहां पर नदी का जलस्तर कम है, वहां पर खनिज निकासी शुरू भी हो गई है।

राज्य में वन निगम गौला, कोसी, शारदा, दाबका, नंधौर, जाखन-एक समेत 13 नदियों में खनिज निकासी का काम करता है। पिछले सत्र में वन निगम ने 61 लाख घनमीटर से अधिक की खनिज निकासी की थी, इसके माध्यम से 196 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया था। इस मानसून में काफी बरसात हुई है, ऐसे में नदियों में खनिज अधिक आने और उसकी निकासी होने की भी एक संभावना है। वन निगम का राजस्व बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि सही स्थिति भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान के मानसून के बाद खनिज आकलन सर्वे के बाद सामने आ सकेगी।

कई नदियों में जलस्तर बढ़ा हुआ : वन निगम के आरएम (मुख्यालय) महेश आर्या ने बताया कि अभी गौला, नंधौर आदि नदियों में जलस्तर बढ़ा हुआ है। इस कारण खनन शुरू नहीं हो सका है।कहा कि खनिज निकासी के लिए खनन वाहनों के पंजीयन नवीनीकरण, नदियों में खनिज के आकलन का सर्वे शुरू किया गया है। जाखन-एक का भोगपुर गेट खोल दिया गया है। शनिवार को जाखन-2 का माजरी गेट खोल दिया जाएगा।

वाहन पंजीयन नवीनीकरण खनन आकलन सर्वे का काम शुरू हुआ

सिलिका खनिज निकासी के लिए टेंडर निकाले गए

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने उत्तरकाशी जिले में सिलिका रेत के खनिज निकासी के लिए टेंडर प्रक्रियाओं को शुरू किया है। भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के अधिकारियों के अनुसार पांच हेक्टेयर क्षेत्रफल के छह खनिज स्थलों में निकासी को लेकर प्रक्रिया शुरू कर दी है। टेंडर में सफल संस्था, व्यक्ति को 25 वर्ष के लिए खनिज निकासी का अधिकार मिलेगा।